Institutional Activities

Est. 2016

St. Xavier's College, Simdega

Xavier Feast

The feast of St. Francis Xavier was celebrated on December 03. Staff and Student participated in big number. The Holy Eucharistic Celebration was organized by the CLC/AICUF under the guidance of Cultural Committee.

Viva of commerce subject

Quiz conducted

MCom 2024 26 quiz conducted on Strategic Choice Topic on 02/12/2025

Human Rights Day

Department of Political Science celebrated, "Human Rights Day: recognizing Clean Air as the Missing Human Rights." Students had their Nukkad Natak and Human Chain Rally to bring awareness among the people of Samtoli. The department also arranged Essay competition on, "Air Pollution and Human Rights Violations: The Gap between Policies and Practices" and Poster making competition, "My Breath, My Right."

Mid-Sem Exam for Sem- VI

Students from VI Sem, resumed their mid Sem-Exam so that they could fill their Examination form for

JHEASA Conference

Jesuit Higher Education Association South Asia (JHEASA) Conference of Central Zone was held in Hazaribagh. Dr. Fr. Samir X. Bhawnra, SJ and Prof. Ishan Tiru attended the Conference.

Welcome to Dr. Nabor Lakra, SJ

Former Principal of St. Xavier's College, Ranchi superannuated, was well received. He will be the professor in charge of Science Faculty and taking care of the academic counseling of the students.

Reejh-Rang-Youth Fest

Ranchi University organized Youth Festival, "Reejh-Rang." Students participated in different events. It gave the good exposure to them to know themselves closely.

Christmas Gathering

"Joy to the world" was celebrated. Staff and students participated in a big number to celebrate Christmas. The Year ending was witnessed very positively by the students in the campus.

Seminar and Conference

Nisha Dhanwar and Ishan Tiru went to an International Seminar and Conference on the 27th and 28th of December, to KISS Bhuvneshwar, organized by Indian Political Science Association (IPSA) in collaboration with Kalinga institute of Social Sciences (KISS).

Media Effect

SIMDEGA 10 DECEMBER 2025

THE POLITICAL SPECTRUM

EDITION 11 #ELEVEN

THE OFFICIAL STUDENTS' NEWS & MEDIA WING OF THE DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

"EDUCATING THE MIND WITHOUT EDUCATING THE HEART IS NO EDUCATION AT ALL." ~ ARISTOTLE

OFFICIAL STUDENTS' MEDIA UNIT

THE STUDENTS' NEWS & MEDIA WING IS A PROFESSIONAL COMMUNICATION UNIT OF THE DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE, MANAGED BY STUDENTS. IT WORKS UNDER THE GUIDANCE OF THE HOD AND FACULTY MEMBERS TO PUBLISH DEPARTMENTAL UPDATES, ACTIVITIES, AND ACHIEVEMENTS.

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह, छात्रों ने रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा का संदेश फैलाया

सेंट जेवियर कॉलेज सिमडेगा में मानवाधिकार दिवस पर विशेष आयोजन

नुक्कड़ नाटक, संबोधन और रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सेंट जेवियर कॉलेज, सिमडेगा में 10 दिसंबर 2025 को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और समुदाय को यह समझाना था कि मानवाधिकार केवल सामाजिक या राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित जीवन-परिस्थितियों और प्रदूषण-रहित वातावरण भी आधुनिक मानवाधिकारों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण वायु प्रदूषण पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक रहा। छात्रों ने प्रदूषण के बढ़ते दुष्प्रभावों, मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उपायों को सहज और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि स्वच्छ पर्यावरण मानव का मूल अधिकार है और इसे संरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम की शुरुआत राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा नेहा नायक के संबोधन से हुई। उन्होंने मानवाधिकार दिवस के ऐतिहासिक महत्व और इसके मूल सिद्धांतों को सरल शब्दों में समझाया। इसके बाद IQAC कोऑर्डिनेटर डॉ. जयंत कश्यप ने मानवाधिकारों की मूल अवधारणाओं, संवैधानिक सुरक्षा और बदलते वैश्विक संदर्भों का उल्लेख किया।

मुख्य भाषण उप-प्राचार्य फ्रादर समीर भवरा ने दिया। उन्होंने बताया कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण मानवाधिकारों से गहराई से जुड़ा हुआ है। फ्रादर भवरा ने कहा कि स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और सुरक्षित पर्यावरण मानव जीवन के मूल अधिकार हैं, जिन्हें संरक्षित रखना समय की मांग है।

उनके प्रेरक शब्दों ने विद्यार्थियों में जागरूकता और उत्साह दोनों को बढ़ाया।

रैली: छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था

संबोधन के बाद राजनीति विज्ञान विभाग के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली निकाली गई। छात्रों ने वायु प्रदूषण, जल संरक्षण, हरित जीवन शैली और मानवाधिकारों से जुड़े नारों के माध्यम से समाज को संदेश दिया। कॉलेज परिसर से शुरू हुई यह रैली आसपास के क्षेत्रों तक पहुंची, जहां लोगों ने भी विद्यार्थियों की पहल की सराहना की।

मानवाधिकार दिवस का यह कार्यक्रम न केवल जागरूकता का मंच बना, बल्कि छात्रों में पर्यावरण सुरक्षा और सामाजिक दायित्वों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का माध्यम भी साबित हुआ।

हर इंसान का अधिकार है सुरक्षित जीवन और स्वच्छ वातावरण। आज का संदेश: जागरूक बनो, बदलाव लाओ।

INTERNATIONAL POLITIC

On this United Nations Human Rights Day, we reaffirm that every person is entitled to dignity, especially, and a safe, healthy environment. Human rights are universal, indivisible, and interdependent —protecting them ensures a just, peaceful, and sustainable future for all generations.

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

सिमडेगा. सेंट जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो ईशन तिरू ने किया. उन्होंने मानवाधिकारों के महत्व व छात्रों की सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला. उप प्रधानाध्यापक डॉ फादर समीर जेवियर भंवरा ने विद्यार्थियों को जीवन की गरिमा और सुरक्षा के साथ जीने के अधिकारों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को समान अवसर, स्वतंत्रता और सुरक्षित जीवन का अधिकार है, जिसे संरक्षित रखना समाज का दायित्व है. आइक्यूएसी

कोऑर्डिनेटर डॉ जयंत कुमार कश्यप ने वायु प्रदूषण से बढ़ते खतरों पर विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छ हवा प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक मानवाधिकार है और इसे सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाना अत्यंत आवश्यक है. राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा नेहा नायक ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम में प्रोफेसर अजय कुमार, डॉ निशा रानी धनवार, रोशन गिद्ध सहित अन्य संकाय के प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित थे. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा. नाटक प्रस्तुति के बाद छात्रों व शिक्षकों ने कॉलेज कैंपस से बाहर तक मानव श्रृंखला बना कर जन जागरूकता फैलायी.

यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल के लिए रांची रवाना

सिमडेगा. संट जेवियर कॉलेज सिमडेगा के छात्र-छात्राएं रांची यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल रीझ रंग में भाग लेने के लिए गुरुवार को रांची के लिए रवाना हुए. महोत्सव में कॉलेज के 42 विद्यार्थी 12 विभिन्न इवेंट्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. छात्रों के साथ प्रोग्राम मैनेजर के रूप में सहायक प्राध्यापक निम्मी टोपनो एवं सहायक प्राध्यापक मार्सेल हेम्ब्रोम भी रवाना हुए. इस अवसर पर कॉलेज की कल्चरल कमेटी की को-ऑर्डिनेटर रैनी आल्मा लकड़ा, बर्सर सह उप प्राचार्य ब्रूनो टोप्पो समेत अन्य शिक्षक उपस्थित थे. सभी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देकर विदा किया. कॉलेज के प्राचार्य फादर रोशन बा ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं.

संत जेवियर कॉलेज में खुलेगा विज्ञान संकाय

अच्छी खबर

- 2026 से शुरू होगी विज्ञान संकाय की पढ़ाई
- कॉलेज प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है

NEWS देखो झारखण्ड
https://newsdekho.co.in
अंतराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस
News देखो Simdega | 20 दिसंबर 2025 (शनिवार)

रांची यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल रीझ रंग 2025–26 में सेंट जेवियर कॉलेज सिमडेगा का जलवा, नाटक और नृत्य में प्रथम स्थान

#सिमडेगा #शिक्षा_संस्कृति : रांची यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित यूथ फेस्टिवल में सेंट जेवियर कॉलेज के छात्रों ने जिले का नाम किया रोशन।

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

रांची यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक महोत्सव में सेंट जेवियर कॉलेज, सिमडेगा के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। क्रिएटिव कोरियोग्राफी डांस प्रतियोगिता में कॉलेज की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं नाटक प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा रंगोली प्रतियोगिता में कॉलेज के छात्रों ने द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

इस यूथ फेस्टिवल में विद्यार्थियों के साथ प्रोग्राम मैनेजर के रूप में सहायक प्राध्यापक निम्मी टोपनो (अंग्रेज़ी विभाग) एवं सहायक प्राध्यापक मार्सेल हेम्ब्रोम (भूगोल विभाग) उपस्थित रहे। दोनों शिक्षकों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन किया और उनका उत्साहवर्धन किया, जिसका सकारात्मक परिणाम प्रतियोगिताओं में देखने को मिला।

विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की विश्वविद्यालय स्तर पर सराहना की गई। सेंट जेवियर कॉलेज, सिमडेगा के छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रमाण है। कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षकों ने छात्रों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

रीझ-रंग 2025-26 जैसे बड़े मंच पर सेंट जेवियर कॉलेज के छात्रों की यह सफलता सिमडेगा जिले के लिए गर्व का विषय है और आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी।

हिन्दुस्तान

संत जेवियर कॉलेज में खुलेगा विज्ञान संकाय

अच्छी खबर

- 2026 से शुरू होगी विज्ञान संकाय की पढ़ाई
- कॉलेज प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है

सिमडेगा में शनिवार को कॉर्डिनेटर का स्वागत करते प्राचार्य डॉ फा रोशन बा : ।

सिमडेगा, प्रतिनिधि। जिले के विज्ञान संकाय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए आने वाला वर्ष 2026 एक बड़ी सौगात लेकर आने वाला है। संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में आगामी शैक्षणिक सत्र से विज्ञान संकाय की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि अब तक जिले में विज्ञान विषय से आईएससी उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों के सामने आगे की पढ़ाई के लिए सीमित विकल्प ही उपलब्ध थे। जिले में केवल एक ही कॉलेज सिमडेगा कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई होती है। जहां शिक्षकों की कमी और संसाधनों के अभाव के कारण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पाती थी। यही वजह है कि कई होनहार छात्र मजबूरी में या तो विज्ञान की पढ़ाई छोड़ देते थे या फिर उच्च शिक्षा के लिए रांची, ओड़िशा जैसे बड़े शहरों का रुख करते थे। बाहर पढ़ाई करने जाने से छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ता था। बीएससी और आगे चलकर एमएससी की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्र अब अपने ही जिले में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

संत जेवियर कॉलेज रांची के पूर्व प्राचार्य फा नबोर बने विज्ञान संकाय के कॉर्डिनेटर: निवार को संत जेवियर कॉलेज रांची के पूर्व प्राचार्य एस.जे. फादर नबोर लकड़ा ने विज्ञान संकाय के कॉर्डिनेटर के रूप में पदभार संभाला। फादर नबोर लकड़ा रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के रूप में भी अपनी सेवाएं देंगे। इसके साथ-साथ वे छात्रों के शैक्षिक परामर्शदाता और कर्मचारियों की शैक्षणिक उन्नति के लिए मेंटर के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। फादर नबोर लकड़ा के स्वागत में शनिवार को कॉलेज में स्वागत कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य फादर डा. रोशन बा: ने बताया कि फादर नबोर के 20 वर्षों के शिक्षण अनुभव का लाभ सिमडेगा के छात्रों को मिलेगा। उन्होंने छात्र जीवन में रसायन विज्ञान में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। फादर नबोर ने कहा कि संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा आकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर जेसिका निधितिग्गा ने किया। उप प्राचार्य फादर ब्रूनो टोप्पो, आईक्यूएसी के कॉर्डिनेटर डा. जयन्त कश्यप आदि उपस्थित थे।

[redacted]

संत जेवियर कॉलेज, के डा. जयन्त कुमार कश्यप को मिला 2025 का 'सारस्वत कर्मयोगी सम्मान'

▶▶ शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए बोध गया के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया सम्मान

उत्कल मेल संवाददाता

सिमडेगा : संत विनोबा भावे द्वारा स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था आचार्यकुल के तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डा. जयन्त कुमार कश्यप को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सारस्वत कर्मयोगी सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। आचार्यकुल के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य (डा.) धर्मेन्द्र (पूर्व कुलपति) और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या ममता कुमारी ने संयुक्त रूप से डा. कश्यप को यह सम्मान प्रदान किया। डा. कश्यप को यह सम्मान अन्तर्विषयक समावेशी शिक्षण दृष्टि, शिक्षा के जनोन्मुखी सरोकार और शिक्षण में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन के लिए प्रदान किया गया है। डा. कश्यप की पुस्तकों, समाचार पत्र और पत्रिकाओं में प्रकाशित उनके लेख और व्याख्यानों के आधार पर उन्हें यह सम्मान दिया गया है। बोध गया में 'आचार्यकुल' की तीन दिवसीय (16-18 दिसंबर, 2025) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन विनोबा भावे के कुलपति प्रोफेसर डा. चंद्रभूषण शर्मा ने किया। इस अवसर पर कई देशों से आए शिक्षाविद और समाजसेवियों समेत डा. जंगबहादुर पाण्डेय, डा. रामजी यादव, डा. चमन सिंह, झारखंड राज्य आचार्यकुल के उपाध्यक्ष डा. वासुदेव प्रसाद, महामंत्री डा. ओमप्रकाश, डा. सुबोध कुमार, डा. नीतू सिंह, डा. राजेश कुमार, डा. जयंत मिश्र, डा. रवि कुमार सिंह व बड़ी संख्या में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षाविद, पत्रकार, कवि एवं कलाकार उपस्थित थे।

https://newsdekho.co.in
झारखण्ड NEWS देखो
हर खबर पर रहेगी हमारी नजर
अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस
News देखो Simdega | 20 दिसंबर 2025 (शनिवार)

संत जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा में भूमंडलीय तापन पर मासिक व्याख्यान, छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश

#सिमडेगा #शैक्षणिक_कार्यक्रम : कॉलेज में वैश्विक उष्मता पर विशेषज्ञ व्याख्यान से छात्र हुए जागरूक

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

संत जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में आयोजित फादर कामिल बुल्के मासिक व्याख्यान की यह कड़ी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक रही। वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्याएं तेजी से गंभीर रूप ले रही हैं। इसी संदर्भ में आयोजित इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को भूमंडलीय तापन की वास्तविकता, उसके दुष्परिणामों और समाधान के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में अकादमिक वातावरण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता प्रदीप एडवर्ड एक्का, प्राध्यापक, भूगोल विभाग ने अपने व्याख्यान में बताया कि भूमंडलीय तापन आज केवल वैज्ञानिक विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन से जुड़ी एक बड़ी चुनौती बन चुका है। उन्होंने इसके प्रमुख कारणों में औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण को प्रमुख रूप से रेखांकित किया।

प्रदीप एडवर्ड एक्का ने कहा:

> "वैश्विक उष्मता की समस्या विश्व के समक्ष प्रमुख चुनौती बनकर उभरी है।"

उन्होंने विद्यार्थियों को यह समझाया कि यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसके प्रभाव आने वाले वर्षों में और भी भयावह हो सकते हैं।

व्याख्यान के दौरान वक्ता ने भूमंडलीय तापन के पर्यावरणीय, सामाजिक और जैविक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि तापमान में निरंतर वृद्धि के कारण मौसम चक्र असंतुलित हो रहा है, जिससे बाढ़, सूखा और अत्यधिक वर्षा जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। इसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जैव विविधता पर इसका गहरा प्रभाव देखने को मिल रहा है। कई प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं, जबकि पारिस्थितिकी तंत्र अस्थिर होता जा रहा है। यह स्थिति भविष्य की पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट का संकेत है।

प्रदीप एडवर्ड एक्का ने अपने व्याख्यान में इस बात पर विशेष बल दिया कि भूमंडलीय तापन से निपटने के लिए केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाने, ऊर्जा की बचत करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा:

> "इससे निपटने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है।"

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सुनील केरकेट्टा ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथि वक्ता और उपस्थित सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया।

कॉलेज के प्राचार्य फादर डॉ. रोशन बा ने व्याख्यान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को समसामयिक और वैश्विक मुद्दों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस तरह के कार्यक्रमों से लाभान्वित होने का प्रयास करना चाहिए।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी तथा भूगोल विभाग के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सेमेस्टर 6 की छात्रा स्टेला टोपनो ने मंच संचालन किया, जबकि सोशांति जोजो ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया। वक्ता ने पीपीटी के माध्यम से अपने व्याख्यान को रोचक और प्रभावी बनाया, जिससे विद्यार्थियों को विषय को समझने में आसानी हुई।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिससे पूरे आयोजन में अनुशासन और गरिमा बनी रही।

यह खबर दर्शाती है कि शैक्षणिक संस्थान केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संत जेवियर्स कॉलेज द्वारा आयोजित यह व्याख्यान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। भविष्य में इस तरह की पहल कितनी निरंतर और व्यापक होती है, यह देखने योग्य होगा।
हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

आज की पीढ़ी यदि पर्यावरण के प्रति सजग होगी, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिल सकेगा। कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को सोचने और जिम्मेदारी निभाने की दिशा देते हैं। छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।

रांची, रविवार, 21 दिसंबर 2025 07

शहर 30s

जेवियर के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

सिमडेगा। रांची विवि द्वारा आयोजित यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल रीझ-रंग 2025-26 में संत ज़ेवियर कॉलेज सिमडेगा के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नाम रौशन किया है। प्रतियोगिताओं में क्रिएटिव कोरियोग्राफी डांस में कॉलेज की टीम को प्रथम स्थान, नाटक प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान और रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रोग्राम मैनेजर के रूप में सहायक प्राध्यापक निम्मी टोपनो एवं सहायक प्राध्यापक मार्सेल हेम्ब्रोम उपस्थित थे।

https://newsdekho.co.in

NEWS देखो झारखण्ड

News देखो Simdega | 13 दिसंबर 2025 (शनिवार)

संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में विज्ञान संकाय को मिली नई दिशा फादर नबोर लकड़ा बने कोऑर्डिनेटर

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा में विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हो चुकी है। लंबे समय से विज्ञान संकाय की मांग कर रहे छात्रों के लिए यह खबर राहत और उत्साह लेकर आई है। शनिवार 13 दिसंबर को कॉलेज प्रशासन ने औपचारिक रूप से यह स्पष्ट कर दिया कि आगामी अकादमिक सत्र से विज्ञान विषय की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसी क्रम में संत जेवियर कॉलेज, रांची के पूर्व प्राचार्य फादर नबोर लकड़ा एसजे ने विज्ञान संकाय के कोऑर्डिनेटर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके आगमन से कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण में नई ऊर्जा और दिशा देखने को मिल रही है।

सिमडेगा जैसे आदिवासी बहुल जिले में विज्ञान संकाय की उपलब्धता लंबे समय से एक बड़ी आवश्यकता रही है। अब तक विज्ञान की पढ़ाई के लिए छात्रों को रांची, खूंटी या अन्य जिलों का रुख करना पड़ता था। संत जेवियर कॉलेज द्वारा विज्ञान संकाय की शुरुआत से स्थानीय छात्रों को अपने ही जिले में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञान शिक्षा का अवसर मिलेगा। यह पहल न केवल शिक्षा के विकेंद्रीकरण की दिशा में अहम है, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों के लिए भी बड़ी राहत साबित होगी।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार विज्ञान संकाय में आगे चलकर रसायन विज्ञान, भौतिकी, जीवविज्ञान जैसे विषयों को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इसके लिए आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है।

फादर नबोर लकड़ा एसजे शिक्षा जगत में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वे संत जेवियर कॉलेज, रांची के पूर्व प्राचार्य रह चुके हैं और उन्हें लगभग 20 वर्षों का शिक्षण अनुभव प्राप्त है। रसायन विज्ञान में उनकी गहरी विशेषज्ञता और प्रशासनिक दक्षता को देखते हुए उन्हें विज्ञान संकाय का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

प्राचार्य फादर डॉ रोशन बा ने स्वागत कार्यक्रम के दौरान फादर नबोर की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि वे छात्र जीवन में एक मेधावी छात्र रहे हैं और उन्होंने रसायन विज्ञान में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। उनके अनुसार, फादर नबोर का अनुभव सिमडेगा के छात्रों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा और कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

फादर नबोर लकड़ा केवल विज्ञान संकाय के कोऑर्डिनेटर ही नहीं होंगे, बल्कि वे संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा के रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के रूप में भी अपनी सेवाएं देंगे। इसके साथ-साथ उन्हें छात्रों का शैक्षणिक परामर्शदाता और कर्मचारियों की शैक्षणिक उन्नति के लिए मेंटर की भूमिका भी सौंपी गई है।

इस बहुआयामी जिम्मेदारी से यह स्पष्ट होता है कि कॉलेज प्रशासन विज्ञान संकाय को केवल औपचारिक रूप से शुरू नहीं करना चाहता, बल्कि उसे एक मजबूत, गुणवत्तापूर्ण और दीर्घकालिक शैक्षणिक आधार देना चाहता है।

फादर नबोर लकड़ा के स्वागत में कॉलेज परिसर में एक सादे लेकिन गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर जेसिका निधि तिग्गा ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मियों की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि विज्ञान संकाय की शुरुआत को पूरे संस्थान का सामूहिक समर्थन प्राप्त है।

कार्यक्रम में उप प्राचार्य फादर ब्रूनो टोप्पो, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ जयंत कुमार कश्यप सहित कई वरिष्ठ शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने फादर नबोर का स्वागत करते हुए उनसे सिमडेगा के छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन देने की अपेक्षा जताई।

फादर नबोर लकड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में विज्ञान विषय की मांग बहुत अधिक है और विज्ञान संकाय खुलने से स्थानीय छात्रों को बड़ा लाभ होगा।

> फादर नबोर लकड़ा ने कहा: "सिमडेगा के छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो सिर्फ सही मार्गदर्शन और अवसर की। विज्ञान संकाय की शुरुआत से यहां के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे।"

उनके इस बयान से यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में कॉलेज केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनुसंधान, प्रयोगात्मक शिक्षा और करियर मार्गदर्शन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यह खबर सिमडेगा जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव को दर्शाती है। संत जेवियर कॉलेज द्वारा विज्ञान संकाय की शुरुआत यह साबित करती है कि स्थानीय संस्थान अब क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप शैक्षणिक निर्णय ले रहे हैं। अनुभवी शिक्षाविद् को नेतृत्व सौंपना कॉलेज प्रशासन की दूरदर्शिता को भी दिखाता है। यह पहल भविष्य में सरकारी और निजी स्तर पर और शैक्षणिक निवेश की मांग को भी मजबूती देगी।

हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

विज्ञान संकाय की शुरुआत केवल एक नया पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि सिमडेगा के युवाओं के सपनों को पंख देने की पहल है। जब स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होती है, तो पलायन रुकता है और समाज सशक्त बनता है। ऐसे प्रयासों को समर्थन देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

प्रभात खबर सिमडेगा

फादर नबोर लकड़ा बने को-ऑर्डिनेटर

संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में शुरू होगी विज्ञान की पढ़ाई

सिमडेगा. संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में जल्द विज्ञान विषय की पढ़ाई शुरू होने वाली है. शनिवार को संत जेवियर कॉलेज रांची के पूर्व प्राचार्य फादर नबोर लकड़ा, एसजे ने विज्ञान संकाय के को-ऑर्डिनेटर के रूप में पदभार संभाला. फादर लकड़ा संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा के रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के रूप में भी अपनी सेवाएं देंगे. साथ ही छात्रों के शैक्षणिक परामर्शदाता और कर्मचारियों की शैक्षणिक उन्नति के लिए मेंटर के रूप में मार्गदर्शन करेंगे. फादर नबोर लकड़ा के स्वागत में संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा में एक स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मौके पर प्राचार्य फादर डॉ रोशन बा ने बताया कि फादर नबोर के 20 वर्षों के शिक्षण अनुभव का लाभ सिमडेगा के छात्रों को मिलेगा. उन्होंने बताया कि फादर नबोर एक मेधावी छात्र रहे हैं. उन्होंने छात्र जीवन में रसायन विज्ञान में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था. फादर नबोर ने कहा कि संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा आकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है. उन्होंने बताया कि विज्ञान विषय की यहां बहुत अधिक मांग है. विज्ञान संकाय खुलने से यहां के छात्रों को बहुत अधिक लाभ होगा. असिस्टेंट प्रोफेसर जेसिका निधि तिग्गा ने मंच संचालन किया. मौके पर उप प्राचार्य फादर ब्रूनो टोप्पो, आइक्यूएसी के कॉर्डिनेटर डॉ जयंत कुमार कश्यप समेत कॉलेज के सभी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मी उपस्थित थे.

फादर नबोर का स्वागत करते कॉलेज कर्मी.

विद्यालय प्रधानों को मिला प्रशिक्षण

बोलबा. प्रखंड के बीआरसी भवन में शिशु

We're join our

PARAS HEALTH

NEWS देखो झारखण्ड
https://newsdekho.co.in
हर खबर पर रहेगी हमारी नजर
विश्व मानवाधिकार दिवस
News देखो Simdega | सत्यम कुमार केशरी
Simdega
10 दिसंबर 2025 (बुधवार)

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

#सिमडेगा #मानवाधिकार_जागरूकता : सेंट जेवियर्स कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों ने मानवाधिकार और स्वच्छ हवा के महत्व पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. ईशन तिरु, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष ने मानवाधिकारों के महत्व और छात्रों की सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डालकर की। इसके पश्चात डॉ. फादर समीर जेवियर भँवरा, उप प्रधानाध्यापक ने छात्रों को जीवन को गरिमा और सुरक्षा के साथ जीने के अधिकारों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को समान अवसर, स्वतंत्रता और सुरक्षित जीवन का अधिकार है, जिसे संरक्षित रखना समाज का दायित्व है।

डॉ. जयंत कुमार कश्यप, IQAC कोऑर्डिनेटर ने वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरों पर विस्तृत जानकारी दी और बताया कि स्वच्छ हवा प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक मानवाधिकार है। उन्होंने छात्रों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने का महत्व समझाया। राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा नेहा नायक ने मानवाधिकारों पर छोटा भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभाग के अन्य प्राध्यापक—असिस्टेंट प्रोफेसर अजय कुमार, डॉ. निशा रानी धनवार, रोशन गिद्ध सहित अन्य संकाय और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। नाटक में मानवाधिकारों के महत्व और वायु प्रदूषण रोकने के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक प्रस्तुति के बाद सभी छात्रों और शिक्षकों ने कॉलेज कैंपस से बाहर तक मानव श्रृंखला बनाई। इस मानव श्रृंखला ने मानवाधिकार दिवस 2025 के थीम 'मानवाधिकार और हमारी दैनिक आवश्यकता' पर आधारित नारों —"कम गाड़ी चलाओ जीवन पाओ", "स्वच्छ हवा हम सबका अधिकार, पर्यावरण बचाओ भविष्य बचाओ"—के माध्यम से जन जागरूकता फैलायी।

डॉ. फादर समीर जेवियर भँवरा ने कहा: "छात्रों में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास ऐसे कार्यक्रमों से होता है।"

यह कार्यक्रम दिखाता है कि शैक्षणिक संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र हैं बल्कि सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी भूमिका निभा सकते हैं। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक और मानव श्रृंखला ने समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाया। शिक्षा और जागरूकता से ही समाज में स्थायी बदलाव लाया जा सकता है।
हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

स्वच्छ हवा और मानवाधिकारों की सुरक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है। छात्रों और शिक्षकों द्वारा यह पहल बताती है कि जागरूकता और सक्रिय सहभागिता समाज को सुरक्षित और सशक्त बना सकती है। अपने आस-पास के लोगों को पर्यावरण और मानवाधिकारों के प्रति सजग करें। कमेंट में बताएं कि आपके इलाके में इस तरह की जागरूकता पहल कितनी प्रभावी है। खबर साझा करें और जागरूक समाज निर्माण में योगदान दें।

सत्यम कुमार केशरी

ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

Reejh Rang 2025-26
Ranchi University | Youth Festival

First Position
Creative Choreography

Second Position in Rangoli
Ms. Saheli Burh

First Position

Team Darpan "Tisra Kirdaar"/ NUKKAD

Reejh Rang 2025-26 Participants